हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 99 | देहरादून, शनिवार, 07 अक्टूबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

सीएम योगी ने भाजपा कार्यकर्ताओं को दिया सम्मान : सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल 3

छह टॉपिक पर 9 सेशन में होगी अमृतकाल की पुलिस की विज्ञान कांग्रेस : डीजीपी अशोक कुमार

7 और 8 अक्तूबर को विज्ञान कांग्रेस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह होंगे मुख्यातिथि

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 06 अक्तूबर। वन अनुसंधान संस्थान देहरादून में दो दिवसीय 49वीं अखिल भारतीय पुलिस साइंस कांग्रेस का आयोजन होगा। जिसमें छह टॉपिक पर 9 सेशन में विज्ञान कांग्रेस होगी। उत्तराखंड पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय के सरदार पटेल भवन में प्रेसवार्ता करते हुए यह जानकारी दी। गृह मंत्रालय भारत सरकार की संस्था पुलिस विकास एवं अनुसंधान ब्यूरो द्वारा 7 व 8 अक्तूबर को वन अनुसंधान संस्थान देहरादून में यह कार्यक्रम होगा। ' पुलिसिंग इन अमृत काल ' थीम पर होने वाली विज्ञान कांग्रेस का उद्घाटन मुख्यातिथि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व अतिविशिष्ट अतिथि उत्तराखंड मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी करेंगे। समापन कार्यक्रम के मुख्यातिथि राज्यपाल उत्तराखंड लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) गुरमीत सिंह मुख्यातिथि होंगे। पुलिस महानिदेशक उत्तराखंड अशोक कुमार ने बताया कि उत्तराखण्ड पुलिस द्वारा 2011 में 41वें यह कार्यक्रम वन अनुसंधान संस्थान देहरादून में कराया गया था। जिसके बाद 12 साल बाद देहरादून में विज्ञान कांग्रेस आयोजित हो रहा है।

1970 में हुई थी पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो की स्थापना

पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो नई दिल्ली की स्थापना 1970 में की गई थी। पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो देश की सभी पुलिस एजेंसियों को उनके बुनियादी ढांचे, मानव संसाधनों और प्रक्रियाओं को उन्नत और आधुनिक बनाने में मदद करती है। राज्य पुलिस बलों के लिए एक थिंक टैंक होने के नाते ब्यूरो अपनी वार्षिक गतिविधियों को लेकर पुलिस साइंस कांग्रेस आयोजित करती है। पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो महानिदेशक बालाजी श्रीवास्तव इस विज्ञान कांग्रेस के संयोजक हैं। सभी रैंकों के पुलिस अधिकारी, तकनीकी विशेषज्ञ, फारेंसिक विशेषज्ञ प्रतिष्ठित 49वीं अखिल भारतीय पुलिस साइंस कांग्रेस के विचार विमर्श में सक्रिय भाग ले रहे हैं। पार्लियामेंट्री स्टेंडिंग कमेटी न. 237 के निर्देशों के अनुसार ग्राम पुलिस प्रणाली एवं पुलिस शिकायत प्रधिकरण की प्रभावशीलता पर दो ब्रेकआउट सेशन भी आयोजित किये जाएंगे।

चयनित किए गए छह टॉपिक -

1. 5-जी युग में पुलिस व्यवस्था। 2. नारकोटिक्स एक अभूतपूर्व दृष्टिकोण। 3.पुलिस और सीएपीएफ के बीच समन्वय। 4. एनसीआरबी। 5. आंतरिक सुरक्षा और सोशल मीडिया की चुनौतिया। 6. सामुदायिक पुलिसिंग।

8 अक्तूबर को आम जनता का होगा प्रवेश

अखिल भारतीय पुलिस विज्ञान कांग्रेस के दूसरे दिन एक टेक्निकल एग्जीबिशन का भी आयोजन होगा। एग्जीबिशन के उद्घाटन में आधुनिक तकनीक का प्रयोग किया जाएगा। एग्जीबिशन में 30 स्टॉल लगाये जाएंगे। जिसमें बेहतर पुलिसिंग के लिए विभिन्न नवीनतम उपकरण प्रदर्शित किए जाएंगे। उत्तराखण्ड पुलिस की ओर से साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन और एसडीआरएफ द्वारा अपने-अपने स्टॉल लगाये जा रहे हैं। टेक्निकल एग्जीबिशन में देहरादून के विभिन्न स्कूल एवं कॉलेजों के छात्रों को भी आमंत्रित किया गया है।

गृह मंत्री अमित शाह करेंगे प्रकाशनों का डिजिटल विमोचन : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अखिल भारतीय पुलिस विज्ञान कांग्रेस का सार संग्रह (कम्पेडियम) और पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो द्वारा प्रकाशित पुलिस विज्ञान पत्रिका और टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप द्वारा प्रकाशित उत्तराखण्ड पुलिस माचिंग विद द टाइम्स का विमोचन करेंगे। उत्तराखण्ड पुलिस के सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए https://www.youtube.com/@UttarakhandPoliceYT इस लिंक पर जाकर लाइव प्रसारण देख सकेंगे।

उत्तराखंड से दिल्ली के बीच जल्द चलेगी नई ट्रेन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कोटद्वार 07 अक्टूबर : उत्तराखंड से दिल्ली जाने वालों के लिए अच्छी खबर है। कोटद्वार और दिल्ली के बीच नई रेल सेवा को मंजूरी मिल गई है और माना जा रहा है कि 25 अक्टूबर से इसका संचालन शुरू हो सकता है। इससे न सिर्फ कोटद्वार बल्कि समूचे गढ़वाल क्षेत्र को फायदा होगा। रेलवे ने इस ट्रेन को चलाने के लिए समय सारणी तैयार कर ली है।

रेलवे के अनुसार यह ट्रेन कोटद्वार से रोजाना रात 10 बजे नजीबाबाद, मौजमपुर नारायण, लक्सर, टपरी, देवबंद, मुजफ्फरनगर, मेरठ होते हुए सुबह 04:35 बजे आनंद विहार टर्मिनल दिल्ली पहुंचेगी। आनंद विहार टर्मिनल से रात 09:45 बजे एक्सप्रेस ट्रेन चलकर प्रातः 03:50 बजे कोटद्वार पहुंचेगी। रेलवे के जीएम ऑपरेटिंग ने कोटद्वार से आनंद विहार टर्मिनल के लिए संभावित सूची में ट्रेन संचालन का प्रस्ताव जारी किया हैउत्तर रेलवे, मुरादाबाद मंडल के अधिकारियों ने बताया कि कोटद्वार से आनंद

विहार टर्मिनल तक ट्रेन संचालन प्लानिंग में है। नई ट्रेन संचालन के संबंध में कई बिंदुओं पर हेडक्वार्टर और डिवीजन निर्णय लेता है। सब कुछ ठीक रहा तो जल्द ही ट्रेन का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। यह ट्रेन कोटद्वार से दिल्ली के लिए चलने वाली दूसरी सीधी एक्सप्रेस सेवा होगी। इस ट्रेन के संचालन से मसूरी एक्सप्रेस की कमी पूरी हो जाएगी। सांसद अनिल बलूनी ने कहा कि नई रेल सेवा के शुरू होने से कोटद्वार और गढ़वाल क्षेत्र के लोगों को काफी लाभ होगा।

दून पहुंचे योगी, सीएम धामी से की भेंट

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भेंट की। इस अवसर पर दोनों मुख्यमंत्रियों द्वारा विभिन्न समसामयिक विषयों पर आपसी विचार विमर्श किया गया।

मोदी तोड़ेंगे उत्तराखंड का अनोखा रिकॉर्ड !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 अक्टूबर , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उत्तराखंड दौरा 11 और 12 अक्टूबर को प्रस्तावित है। यहां वह कुमाऊं में आदि कैलाश नारायण आश्रम में भ्रमण करेंगे। इसके अलावा पिथौरागढ़ में भी जनसभा को संबोधित करने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। पीएम मोदी इस दौरान लोहाघाट के मायावती में स्थित अद्वैत आश्रम में योग साधना और रात्रि विश्राम करेंगे। इस आश्रम में स्थित स्वामी विवेकानंद का कमरा 122 सालों के बाद किसी के रात्रि विश्राम के लिए खोला जाएगा। प्रधानमंत्री का कुमाऊं दौरे के दौरान लोहाघाट क्षेत्र में मायावती स्थित अद्वैत आश्रम में 20 घंटे विश्राम के लिए आने का कार्यक्रम प्रस्तावित है।

स्वामी विवेकानंद ने कक्ष में की थी योग साधना

इस आश्रम की विशेषता यह है कि यहां स्वामी विवेकानंद के योग और साधना कक्ष को 122 साल बाद देश के किसी व्यक्ति के रात्रि विश्राम के लिए खोला जा रहा है। स्वामी विवेकानंद के बाद यहां रात्रि विश्राम करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले व्यक्ति होंगे। अद्वैत आश्रम के प्रबंधक सहृदयानंद महाराज के अनुसार स्वामी विवेकानंद जिस कक्ष में ठहरे थे और उन्होंने वहां योग साधना की थी। उसी कक्ष में प्रधानमंत्री मोदी के रात्रि विश्राम की व्यवस्था की गई है।122 साल बाद पहली बार यह कक्ष किसी के रात्रि विश्राम के लिए खोला जा रहा है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस आश्रम में करीब 20 घंटे रुक सकते हैं।

आज तक किसी के लिए नहीं खोला गया कमरा

विदित हो कि स्वामी विवेकानंद तत्कालीन मद्रास से यात्रा पर निकले थे। 03 जनवरी 1901 को हुए लोहाघाट क्षेत्र में मायावती स्थित अद्वैत आश्रम पहुंचे थे। स्वामी विवेकानंद यहां 15 दिनों तक ठहरे थे और यहां पर उन्होंने योग साधना की थी। तब योग साधना के लिए स्वामी विवेकानंद को दो कक्ष आवंटित किए गए थे। उनके बाद उनके रात्रि विश्राम वाले कक्ष में किसी को भी ठहरने की अनुमति नहीं दी गई। जबकि इस एक शताब्दी में कई बड़ी शख्सियत इस आश्रम में आयी हैं। हाल ही में उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी आश्रम में आये हैं।

बॉर्डर का कर सकते हैं दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 अक्टूबर को पिथौरागढ़ जिले के अंतर्गत नारायण आश्रम आएंगे। यहां से वह चीन सीमा से सटी आईटीबीपी की चेक पोस्ट में जवानों के साथ कुछ समय बिता

सकते हैं। वहां से कैलाश मानसरोवर के दर्शन भी करेंगे। इसके बाद उनका पिथौरागढ़ में स्थानीय लोगों के साथ संवाद और जनसभा को संबोधित करने का कार्यक्रम भी प्रस्तावित है।प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्तावित दौरे को लेकर प्रशासन पहाड़ी व्यंजन परोसने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से स्थानीय उत्पादों से निर्मित पकवान तैयार कराए गए हैं। मंडुवे के केक से लेकर मक्के का हलवा, भटिया, चुड़कानी, गहत के डुबके, मंडुवे की बर्फी, मंडुवे के रोल, झंगोरे की खीर, मंडुवे के लड्डू, भांग और दाड़िम की चटनी, कुट्टू की बर्फी, बाजरे के लड्डू, आलू चने की बर्फी, मक्का और केले के पकौड़े सहित 15 से अधिक तरह के व्यंजन तैयार किए गए हैं।

पत्नी-पति के बीच झगड़े की जड़ है ये आदतें !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 अक्टूबर , शादी वो कमिटमेंट है, जो एक ओर गंभीर और गहरा होता है, तो दूसरी ओर बेहद नाजुक भी। मुश्किल से मुश्किल समय में जहां पति-पत्नी एक-दूसरे का साथ देते नजर आते हैं, तो कभी-कभी छोटी-छोटी चीजें रिश्ते को इस तरह से तोड़कर बिखेर देती हैं कि उसे फिर से पुराना प्यार भरा रूप दे पाना नामुमकिन हो जाता है। इन्हीं छोटी चीजों में पतियों की कुछ आदतें भी हैं, जिनके कारण पत्नियां इतना बुरा चिढ़ जाती हैं कि घर में लड़ाइयों का दौर बढ़ जाता है। और जब ऐसा होता है, तो शादीशुदा जीवन कड़वाहट से भरने लगता है। पत्नियों को नाराज करने वाली पतियों की ऐसी ही कुछ आदतें नीचे दी गई हैं। आप भी अगर शादीशुदा हैं, तो इन पॉइंट्स को अपने दिमाग में जरूर नोट कर लीजिए।

पत्नी के लिए समय नहीं निकालना

शादी के बाद की सबसे बड़ी और आम गलती, जो लगभग सभी पति करते हैं, वो है पत्नी के लिए समय नहीं निकालना। माना कि पारिवारिक जिम्मेदारियों के चलते दफ्तर और अन्य चीजों में व्यस्तता बढ़ जाती है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि अपने जीवनसाथी को ही इग्नोर करना शुरू कर दिया जाए। इस तरह के बर्ताव से पत्नियां काफी ज्यादा हर्ट होती हैं। उन्हें लगने लगता है कि पति उन्हें प्यार नहीं करते और ये चीज उनके दिल में इस तरह से घर करने लग जाती है कि भावनाएं गुस्से के रूप में बाहर निकलने लगती हैं।

रिश्ते से जुड़ी चीजों में मां की सुनना

मां की जगह कोई नहीं ले सकता। लेकिन जब बात शादीशुदा जीवन से जुड़े निर्णय लेने की हो, तो इसमें सबसे अहम भूमिका पत्नी की होनी चाहिए। अपने घर के बड़ों से चीजों को लेकर राय लेना अलग बात है, लेकिन अपनी मैरिड लाइफ से जुड़ी हर चीज को मां को बताना और सुनना भी सिर्फ उनकी, ये चीज पत्नियों के मन में सिर्फ और सिर्फ चिढ़न ही पैदा करेंगीं। एक-दो बार तो वो इस बर्ताव को इग्नोर कर सकती हैं, लेकिन

अगर उन्हें लगेगा कि उनकी शादीशुदा जिंदगी का कंट्रोल सासू मां के हाथों में है, तो घर में रोज की लड़ाइयां आम हो जाएंगीं।

बैचलर लाइफ की बातें नहीं छोड़ना

ये एक और ऐसी चीज है, जिससे न जाने कितनी शादीशुदा महिलाएं परेशान हैं। लड़कियों को तो शादी से पहले ही ये ट्रेनिंग मिलनी शुरू हो जाती है कि उन्हें घर को कैसे संभालना है। वहीं आमतौर पर लड़कों का घर के कामों से लेकर जिम्मेदारियों में न के बराबर हिस्सेदारी होती है। ऐसे में जब शादी हो जाती है, तो ज्यादातर लड़के अपनी बैचलर्स लाइफ की आदतों को छोड़ नहीं पाते हैं। इस स्थिति में लड़की को ये लगने लगता है कि वो पत्नी नहीं बल्कि मां की भूमिका निभा रही है। ये बात उन्हें इस तरह से ट्रिगर करती है कि चीजें बिगड़ना तय हो जाता है।

बच्चों की परवरिश में साथ नहीं निभाना

आमतौर पर भारतीय परिवारों में बच्चों की परवरिश की जिम्मेदारी महिलाओं पर ही डाली जाती है। इसके चलते हालत यह हो जाती है कि घर और बाहर के काम के साथ-साथ बच्चे से जुड़ी हर चीज को भी उन्हें ही संभालना पड़ जाता है। यह स्थिति जबरदस्त तनाव पैदा करती है। भावनाएं चिड़-चिड़ाहट और लड़ाइयों के रूप में सामने आने लगती हैं। यह घर के पूरे माहौल को टॉक्सिक बना देता है।

होटल में बेहद गंदे काम ! सच जानकर चौंक जायेंगे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 अक्टूबर , होटल में प्रवेश करते ही सबसे पहले आप क्या करते हैं? ज्यादातर लोग साफ-सफाई देखते हैं. साबुन-तौलिया मंगाते हैं और चूंकि थके होते हैं तो सबसे पहले आराम करने को तवज्जो देते हैं. लेकिन होटलों में काम करने वाले कर्मचारियों के मुताबिक, सबसे पहले आपको टॉयलेट फ्लश करना चाहिए. यह किसी भी काम से ज्यादा जरूरी है. अगर नहीं किए तो पछताना पड़ेगा. आपकी पूरी छुट्टी का कबाड़ा हो जाएगा.

होटल कर्मियों के खुलासे हैरान कर देंगे

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, होटल कर्मियों ने कुछ ऐसे खुलासे किए हैं जिसे जानकर आपको घिन आएगी. कर्मियों ने बताया कि गर्म जलवायु वाले इलाकों में टॉयलेट शीट के नीचे मकड़ियों जैसे कीड़े रहते हैं. यह इतने खतरनाक होते हैं कि संक्रमण फैला सकते हैं. इसलिए सबसे पहले फ्लश साफ करें और उसके बाद ही अपने कामकाज करें. इसके अलावा वहां रखे साबुन शैंपू का भी इस्तेमाल न करें. कोशिश करें कि आने के बाद खुद मंगाए . अपने सामने रखें, क्योंकि यहां पहले से रखे साबुन शैंपू में गंदे गंदे काम किए जाते हैं.

कॉफी पॉट का इस्तेमाल भूलकर न करें

होटल कर्मियों की एक और सलाह है. अगर आप कमरे के अंदर रखे कॉफी पॉट का इस्तेमाल करते हैं तो भूलकर न करें. क्योंकि आप कल्पना नहीं कर सकते कि इसके अंदर कितनी गंदगी छिपी हुई है. एक कर्मचारी ने बताया कि सफाई के दौरान केतली को अक्सर छोड़ दिया जाता है, इसलिए कॉफी से परहेज करना ही बेहतर है. यहां तक कि कांच के बर्तनों और कॉफी कपों की भी उचित सफाई नहीं होती. हाउसकीपिंग स्टाफ कप को धोती हैं, लेकिन उन्हें एक पुराने कपड़े से पोंछ कर सुखाती है जिसका उपयोग वे कमरे की अन्य सतहों को साफ करने के लिए करती हैं.

मिनीबार की बोतल में पेशाब कर दिया

एक होटल कर्मी ने और भी खौफनाक खुलासा किया. बताया कि एक टूरिस्ट ने मिनीबार की बोतल में पेशाब कर दिया और ढक्कन बदल दिया. पता चला कि दूसरे कमरे से लोग आए और उसे गटक लिया. जब तक बदबू का एहसास हुआ, वे काफी पी चुके थे. अगर आपको यह मिले तो कोशिश करें कि सील न टूटी हो. क्योंकि आप नहीं जानते कि लोग क्या कर सकते हैं. कर्मियों ने बताया कि होटल का नाश्ता बुफे काफी सुविधाजनक है. लेकिन अगर आप शाकाहारी हैं

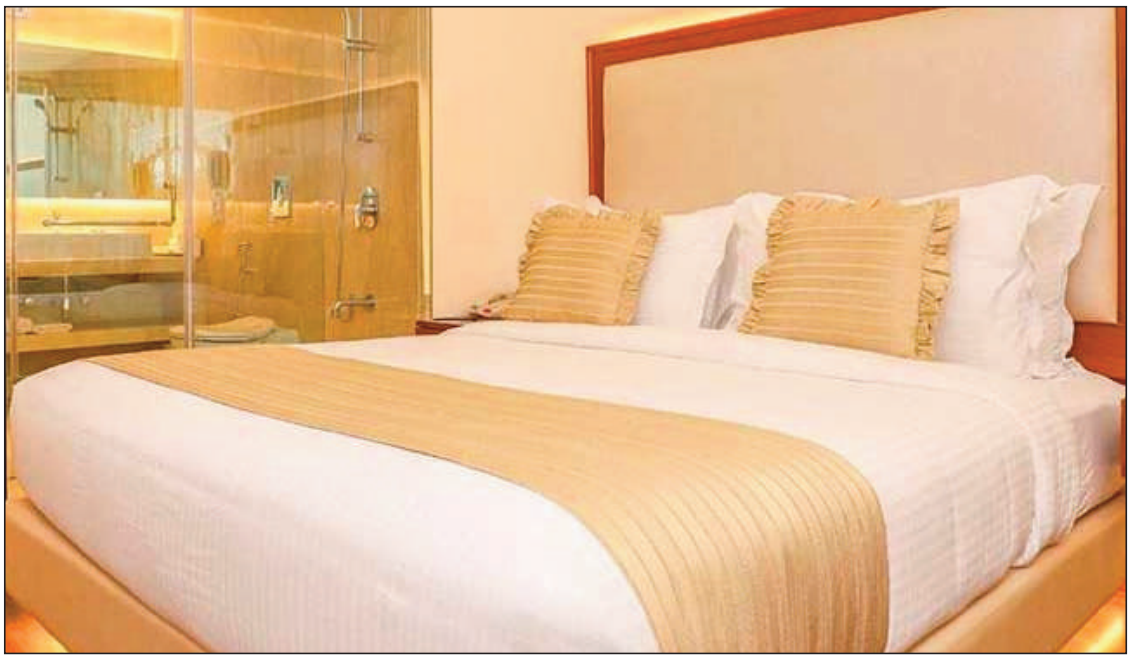

तो बिल्कुल इससे दूर रहें. क्योंकि होटल की रसोई में मांस और शाकाहारी बर्तन अलग नहीं रखे जाते. सब मिलाकर परोसे जाते हैं. इसका साफ मतलब है कि आप मांसाहारी खाना खा रहे हैं.मशहूर हाउसकीपर तारा बी ने बताया कि सबसे पहले बेड बदलने को कहें. क्योंकि वे बहुत गंदे होते हैं. कुछ को साल में एक बार धोया जाता है, जब तक कि उस पर स्पष्ट कोई दाग न हो. किसी ने उन पर खून, उल्टी न की हो.

सीएम योगी ने भाजपा कार्यकर्ताओं को दिया सम्मान : सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल

■ मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान ने गुलाब देकर किया स्वागत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 7 अक्टूबर , भारतीय जनता पार्टी महानगर अध्यक्ष के नेतृत्व में महानगर के कार्यकर्ताओं द्वारा देहरादून आगमन पर देश में योगी के रूप में जानने वाले उत्तर प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत अभिनंदन किया गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी कार्यकर्ताओं का धन्यवाद ज्ञपित किया। साथ ही महानगर के अध्यक्ष सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल ने बताया कि कि जब बीजापुर गेस्ट हाउस में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से मुलाकात स्वागत किया। एवं उनसे निवेदन किया कि महानगर पदाधिकारी आपसे भेंट और स्वागत करना चाहते हैं तो योगी आदित्यनाथ ने अपने सरल स्वभाव के साथ सभी कार्यकर्ताओं को निमंत्रण दिया कि वह आकर उनसे भेंट कर सकते हैं।

अध्यक्ष ने धन्यवाद देते हुए कहा कि हमारा सौभाग्य है कि हम सभी कार्यकर्ताओं का अपने सम्मान करते हुए भेंट की अनुमति प्रदान की। सभी कार्यकर्ताओं में हर्ष उल्लास था कि उन्होंने उत्तर प्रदेश के कर्मयोगी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से भेंट की। स्वागत अभिनंदन में महानगर की उपाध्यक्ष रतन सिंह चौहान महानगर मंत्री संदीप मुखर्जी राजेश बडोनी आशीष सिंह रंजीत सेमवाल विशाल कुमार बलदेव नेगी मंडल अध्यक्ष पंकज शर्मा वैभव अग्रवाल कमली भट्ट महिला मोर्चा आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बदरीनाथ हाईवे समेत जिले की सभी सडक़ों पर गड्ढे ही गड्ढे

चमोली । जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने एनएच, लोनिवि, पीएमजीएसवाई तथा बीआरओ को अपनी सडक़ों को शीघ्र गड्ढा मुक्त करने के निर्देश दिए हैं। कहा कि गुणवत्ता के साथ सडक़ों पर पैचवर्क पूरा किया जाए। जिलाधिकारी ने गुरुवार को सडक़ निर्माण करने वाले सभी विभागों की बैठक लेते हुए सडक़ों को पैचलैस/गड्ढा मुक्त करने को लेकर किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी डिविजन शीर्ष प्राथमिकता पर क्षतिग्रस्त सडक़ों को दुरस्त करें। जिन डिविजनों ने अभी तक कार्य प्रारंभ नहीं किया है वो शीघ्र शुरू करें। कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि इसकी नियमित समीक्षा भी की जाएगी और लापरवाही बरतने पर कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

अधिशासी अभियंता राजवीर सिंह चौहान ने बताया कि लोक निर्माण विभाग के सभी डिविजनों में 35 सडक़ों पर 162.72 किलोमीटर पैचवर्क का लक्ष्य है। जिसमें से अधिकांश सडक़ों पर पैचवर्क कार्य प्रांरभ कर दिया गया है। जबकि पीएमजीएसवाई द्वारा विभिन्न सडक़ों पर 96.39 किलोमीटर पैचवर्क किया जाना है। जिसका प्रस्ताव तैयार किया गया है।

डीएम सोनिका गृहमंत्री अमित शाह के दौरे की तैयारियों में जुटी

देहरादून , 7 अक्टूबर , गृहमंत्री भारत सरकार अमित शाह के जनपद में भ्रमण कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी सोनिका द्वारा संबंधित अधिकारियों के साथ एफआरआई में कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करते हुए समुचित व्यवस्थाएं चाक चौबंद रखने की तैयारियों का जायजा लिया, उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को दिशा निर्देश के अनुरूप सुव्यवस्था बनाने के निर्देश दिए।

जलवायु परिवर्तन के बीच हमें विकास के रास्ते तैयार करने हैं : अंशी राजखोआ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 06 अक्तूबर। जलवायु परिवर्तन के बीच विकास के रास्ते तैयार करने हैं। जिसके लिए जनता का जागरूक होना बेहद जरूरी है। शुक्रवार को क्लाइमेट ट्रेंड्स की कम्युनिकेशन स्ट्रेटीजिक अंशी अंशी राजखोआ ने प्रेस कल्ब में प्रेसवार्ता के दौरान यह जानकारी दी।उन्होंने बताया गढ़वाल और कुमाऊँ क्षेत्रों की लोक कथाएं हिमालय के पर्यावरण और स्वास्थ्य के प्रति समर्पण और प्रेम का वर्णन करती हैं।

उत्तराखंड लंबे समय से चिपको आंदोलन जैसे लोकप्रिय पर्यावरण आंदोलनों का पोस्टर चाइल्ड रहा है। लेकिन विडंबना यह है कि तेजी से बदलती जलवायु इसके पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित कर रही है। जिसके परिणामस्वरूप ग्लेशियर का पिघलना, जल विज्ञान में बदलाव, बर्फ की रेखाओं में कमी, तापमान में वृद्धि, जंगल की आग, सूखी धाराएं जैसी चरम घटनाएं हो रही हैं। बाढ़, वर्षा के पैटर्न में बदलाव, काले कार्बन का जमाव आदि। जैसे-जैसे राज्य अपनी अर्थव्यवस्था को चार स्तंभों - बुनियादी ढाँचे, पर्यटन, जल विद्युत और कृषि - पर खड़ा करने के लिए आगे बढ़ रहा है ये सभी जलवायु परिवर्तन के खतरों के प्रति संवेदनशील होते जा रहे हैं। इन चरम मौसम की घटनाओं की बढ़ी हुई आवृत्ति और तीव्रता से राज्य की अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ने के साथ-साथ जीवन और आजीविका को प्रभावित करने वाले मिश्रित संकट पैदा हो रहे हैं।

प्राकृतिक घटनाओं में चार गुना वृद्धि हुई : अंशी ने बताया कि एक अध्ययन में दावा किया गया है कि उत्तराखंड के 85 प्रतिशत जिले, जहां 90 लाख से अधिक लोग रहते हैं। जहां प्राकृतिक घटनाओं में चार गुना वृद्धि हुई है।अत्यधिक बाढ़ और उससे जुड़ी घटनाओं, जैसे भूस्खलन, बादल फटना, हिमानी झील का फटना आदि के हॉटस्पॉट हैं। 1970 के बाद से चमोली, हरिद्वार, नैनीताल, पिथौरागढ़ और उत्तरकाशी जैसे जिले सबसे अधिक असुरक्षित हैं। इस बीच 1970 के बाद से सूखा दो गुना बढ़ गया था और राज्य के 69 प्रतिशत से अधिक जिले इसकी चपेट में थे। अध्ययन में पाया गया कि पिछले दशक में, अल्मोडा, नैनीताल और पिथोरागढ़ जिलों में बाढ़ और सूखा एक साथ आया था। यह नीति निर्माताओं और प्रतिक्रिया टीमों के लिए जोखिम-सूचित निर्णय लेने को और जटिल बनाता है। उन्होंने कहा जलवायु परिवर्तन को लेकर प्रदेश की जनता को जागरूक होना जरूरी है।

संक्षिप्त खबरें

मार्च पास्ट में मेहलचौंरी संकुल ने मारी बाजी

चमोली । मेहलचौंरी के खेल मैदान में शुक्रवार से प्रारंभिक शिक्षा की तीन दिवसीय ब्लॉक क्रीड़ा प्रतियोगिताएं प्रारंभ हो गयी हैं। मुख्य अतिथि नपंअ पुष्कर सिंह रावत एवं खंड शिक्षा अधिकारी विनोद सिंह की अध्यक्षता में प्रारंभ हुये इस प्रतियोगिता के प्रथम दिन मार्च पास्ट से एनपीआरसी मेहलचौंरी ने पहला, कुशरानी ने दूसरा तथा रोहिड़ा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 600 मीटर दौड़ में मोहित, हिमांशु योगेश तथा बालिका वर्ग में तानिया, खुशी एवं हेमा ने क्रमशः पहला दूसरा व तीसरा स्थान प्राप्त किया। इससे पूर्व गत वर्ष के चैंपियन विपिन ने मशाल जला कर व मौजूद खिलाडियों को खेल शपथ दिलायी। खेलों के शुभारंभ के मौके पर प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक अध्यक्ष मोहन रावत, जूहाशिसंअ त्रिलोक खत्री, पूर्व अध्यक्ष मनोज शाह, व्यापार संघ अध्यक्ष मोहन नेगी, राआइंका मेहलचौंरी प्रधानाचार्य जेएस रावत, मोहन अग्निहोत्री,अवतार रावत, महेश रोहियाल, राजेन्द्र वर्मा, मुकेश नेगी, जगदीश राज, दीवान सिंह, प्रेम आर्य, सुशील कैलखुरा, सुरेन्द्र सौरियाल, नरेन्द्र कुंवर, तृप्ति बिष्ट, पुष्पा रतूड़ी, लक्ष्मी नेगी, गबर बिष्ट, सीता टम्टा, गणेशी टम्टा, पुष्पा ,प्रीति, सरोज काला, शशि नेगी, सतेन्द्र नेगी, मुकेश कंडारी, हितेन्द्र बिष्ट, रम्भा शाह सहित कई शिक्षक शिक्षिकाएं एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

डीएम ने किया क्रॉप कटिंग प्रयोग का निरीक्षण

चमोली । जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने शुक्रवार को राजस्व उप निरीक्षक क्षेत्र बैरांगना के अन्तर्गत ग्राम बणद्वारा में धान की फसल पर किए जा रहे क्रॉप कटिंग प्रयोग का निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने महिलाओं के साथ धान की लवाई भी की। राजस्व विभाग ने काश्तकार दयाल सिंह के धान के खेत में 30 वर्ग मीटर का प्लाट बनाकर नियमानुसार क्रॉप कटिंग का प्रयोग किया। निर्धारित आकार के प्लाट में धान की उपज 2.635 किलोग्राम का उत्पादन प्राप्त हुआ। इस दौरान जिलाधिकारी ने भू-अभिलेखों की जांच करते हुए काश्तकारों को खेती से संबंधित नई तकनीक के बारे में जानकारी भी दी। जिलाधिकारी ने कहा कि क्रॉप कटिंग प्रयोगों के आधार पर ही जिले में फसलों के औसत उपज और उत्पादन के आंकड़े एकत्रित किए जा रहे है तथा जिले में हो रहे उत्पादन की सटीक जानकारी हासिल की जा रही है। उन्होंने कहा कि इससे किसानों को प्राधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ मिलेगा। जिलाधिकारी ने किसानों से कृषि एवं अन्य आवश्यक संशाधनों से संबधित समस्याओं एवं चुनौतियों की जानकारी प्राप्त करते हुए उनके समाधान हेतु सुझाव भी दिए। विदित हो कि प्रत्येक राजस्व उप निरीक्षक क्षेत्र में क्राप कटिंग प्रयोग खेत में 30 वर्ग मीटर प्लाट बनाकर उसमें उत्पादित फसल के बीज को लिया जाता है, जिसे 15 दिनों तक सूखने के लिए रखा जाता है। इसके पश्चात दानों की तौल लेकर उत्पादन की गणना की जाती है। क्रॉप कटिंग प्रयोगों से प्राप्त उत्पादन के आंकड़ों के आधार पर क्षतिपूर्ति एवं फसल बीमा की राशि की गणना तथा विभिन्न फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की गणना की जाती है। क्रॉप कटिंग के दौरान राजस्व उप निरीक्षक चन्द्र सिंह बुटोला, कानूनगो दलवीर सिंह, अपर सांख्यिकी अधिकारी कुसुम रावत, कृषि अधिकारी मुकेश कुमार, क्षेमा इंश्योरेंस कंपनी प्रतिनिधि रश्मि, काश्तकार महेश्वरी देवी आदि मौजूद थे।

डीएम ने किया बैरांगना मत्स्य प्रजनन केंद्र में निर्मित ट्राउट फिश कैफे का निरीक्षण

चमोली । बैरांगना मत्स्य प्रजनन केंद्र को मॉडल टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा यहां पर पर्यटकों की सुविधा के लिए आकर्षक रेनबो ट्राउट फिश कैफे तैयार किया गया है। कैफे के पास बैरांगना नदी किनारे फिश एग्लिंग प्लेटफार्म भी बनाए गए है। बैरांगना फिश कैफे में पर्यटक फिश एग्लिंग का लुफ्त उठाने के साथ रेनबो ट्राउट फिश से बने लजीज व्यंजनों का भी आंनद ले सकेंगे। यहां पर विजिट करने वाले पर्यटकों को केन्द्र में मछली की ब्रीडिंग एवं हैचरी के बारे में भी जानकारी मिलेगी। फिश कैफे को चोपता एवं आसपास आने वाले पर्यटकों से जोडक़र प्रशासन द्वारा यहां पर पर्यटक गतिविधियां बढाने पर जोर दिया जा रहा है। जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने शुक्रवार को बैरांगना मत्स्य प्रजनन केंद्र में निर्मित ट्राउट फिश कैफे का निरीक्षण किया। उन्होंने मत्स्य अधिकारी को निर्देशित किया कि फिश कैफे को जल्द से जल्द लीज पर आवंटित करते हुए शीघ्र इसका संचालन शुरू किया जाए। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत गठित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं और स्थानीय मत्स्य पालकों को भी कैफे से जोडा जाए। इससे पर्यटकों को लोकल उत्पाद और व्यंजन उपलब्ध होंगे और स्थानीय लोगों की आजीविका बढेगी।

10 बीमारियों को दूर करती है कच्ची हल्दी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 अक्टूबर , रसोई में मौजूद हल्दी किसी औषधि से कम नहीं है. हल्दी की पत्तियां, हल्दी की गांठ और हल्दी पाउडर सभी सेहत के लिए लाभकारी होते हैं. हल्दी में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो शरीर को कई बीमारियों से बचाते हैं. हल्दी में एंटीइंफ्लेमेटरी गुण भी होते हैं जो जड़ी-बूटी की तरह काम करते हैं. आज आपको हल्दी से मिलने वाले 10 अचूक फायदों के बारे में बताएंगे.

हल्दी से मिलते हैं ये 10 जबरदस्त फायदे

ब्लड प्रेशर के लिए : हाई बीपी की शिकायत और दिल की बीमारियों से पीड़ीत लोगों के लिए भी हल्दी फायदेमंद होती है. यह दोनों समस्याएं कोलेस्ट्रॉल की वजह से होती है. हल्दी में मौजूद करक्यूमिन गुण बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करते हैं.

इम्यूनिटी के लिए : हल्दी वाला दूध और हल्दी का काढ़ा इम्यूनिटी के लिए अच्छा होता है. हल्दी म्यूनिटी बूस्टर हर्ब के तौर पर काम करती है. ऐसे में कई बीमारियों से बचे रह सकते हैं.

अल्जाइमर में फायदे : मंदयह उम्र के साथ होने वाली एक बीमारी है. जो दिमाग और रीढ़ को नुकसान पहुंचाती है. हल्दी का सेवन अल्जाइमर से भी बचाता है.

डिप्रेशन के लिए : हल्दी का सेवन करना मस्तिष्क के लिए भी अच्छा होता है. हल्दी में मौजूद गुण मूड को अच्छा करते हैं जिससे की डिप्रेशन से बचे रह सकते हैं.

स्किन के लिए : हल्दी में मौजूद गुण स्किन के लिए भी फायदेमंद होते हैं. एक्ने, पिगमेंटेशन और स्किन की अन्य समस्याओं को दूर करने के लिए हल्दी का इस्तेमाल कर सकते हैं.

दांतों के लिए : मुंह से बदबू आने पर या फिर दांतों मे कीड़े जाने पर भी हल्दी का इस्तेमाल कर सकते हैं. हल्दी के एंटीबैक्टीरियल गुण दांतों के कीड़े को कम करते हैं और मुंह की बदबू को भी कम करत हैं. यह बैक्टीरिया को मारने का काम करती है.

डार्क सर्कल्स का परमानेंट इलाज हैं ये 8 घरेलू उपाय, जानें कैसे दूर करें आंखों के नीचे काले घेरे

एलर्जी के लिए : शरीर में सूजन या किसी प्रकार की एलर्जी से बचने के लिए भी हल्दी फायदेमंद होती है. हल्दी के एंटी-बायोटिक गुण एलर्जी से बचाने का काम करते हैं. हल्दी का काढ़ा पीने से फायदा होता है.

सर्दी जुकाम के लिए : हल्दी सर्दी के लिए रामबाण उपाय है. हल्दी के एंटऑक्सीडेंट और

एंटीबैक्टीरियल गुण जुकाम को दूर करने में लाभकारी होते हैं. खांसी और बलगम की समस्या में भी हल्दी कारगर है.

डायबिटीज के लिए : हल्दी इंसुलिन के प्रोडक्शन को बढ़ाती है जिससे डायबिटीज के खतरे को भी कम कर सकते हैं. हल्दी का सेवन शुगर को बढ़ने से भी रोकता है.

जोड़ों के दर्द : के लिएजोड़ों के दर्द से परेशान है तो कच्ची हल्का का पानी पीना चाहिए. यह पुराने से पुराने दर्द और सूजन को कम करने का काम करता है. इससे गठिया का भी इलाज कर सकते हैं.

उत्तराखंड के 3 जिलों में ITBP की निकली भर्ती, पढ़िए पूरी जानकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 07 अक्टूबर : उत्तराखंड में युवाओं के लिए अच्छी खबर है। उत्तरकाशी समेत सीमांत जनपद चमोली और पिथौरागढ़ में आईटीबीपी में भर्ती होने की चाह रखने वाले युवाओं के लिए खुशखबरी है। जी हां बॉर्डर वाले सीमांत जनपद उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ में आईटीबीपी के कई पदों पर खुली रैली भर्ती होने जा रही है। खास बात ये है कि इसके लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 8 अक्टूबर तक चलेगी। अब आगे आपको बताते हैं कि आपको रजिस्ट्रेशन के लिए कहां जाना है।

साथ ही आपको बताते हैं कि आपकी एज लिमिट क्या होनी चाहिए।उत्तरकाशी में 18 से 23 वर्ष की आयु वाले इच्छुक अभ्यर्थी आईटीबीपी कैंपस मातली में आकर अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते है। इसी तरह चमोली के इच्छुक युवा 5 से 8 अक्टूबर तक फर्स्ट आइटीबीपी वाहिनी जोशीमठ में जाकर रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। इसके अलावा पिथौरागढ़ के इच्छुक युवा 14वीं वाहिनी पिथौरागढ़ में जाकर रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। एक और खास बात ये है कि तीनों जिलों में 9 से 14 तक फिजिकल होगा। इसके अलावा 15 अक्टूबर को लिखित परीक्षा होगी। 18 अक्टूबर को परिणाम घोषित किया जाएगा। आईटीबीपी अधिकारियों की माने तो सीमांत जनपद में भविष्य में भी ओपन रैली की संभावनाएं बढ़ गयी है। पूरे 10 साल बाद ये भर्ती कराई जा रही है।

ईरान में कैद पत्रकार नरगिस मोहम्मदी को नोबेल पीस प्राइज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 अक्टूबर , ईरान की महिला पत्रकार और एक्टिविस्ट नरगिस मोहम्मदी को नोबेल पीस प्राइज से सम्मानित किया गया है। नोबेल कमेटी ने माना है कि उन्होंने महिलाओं की आजादी और उनके हक के लिए आवाज उठाई है। वे 13 बार गिरफ्तार भी हुईं। कमेटी ने पीस प्राइज की घोषणा ईरान की महिलाओं के नारे जन- जिंदगी-आजादी के साथ की। 51 साल की नरगिस अब भी ईरान की एवान जेल में कैद हैं। उन्हें 31 साल की जेल और 154 कोड़ों की सजा सुनाई गई है। ईरान ने उनको सरकार के खिलाफ प्रोपेगैंडा फैलाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। नोबेल मिलने के बाद नरगिस को 8.33 करोड़ का इनाम और एक गोल्ड मेडल दिया जाएगा।

कौन हैं नरगिस मोहम्मदी

नरगिस का जन्म कुर्दिस्तान ईरान के जंजन शहर में 21 अप्रैल 1972 में हुआ। उन्होंने फिजिक्स की पढ़ाई की थी। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने इंजीनियर के तौर पर काम किया। वो कॉलमनिस्ट भी रहीं। कई अखबारों के लिए लिखती थीं। 1990 के दशक से ही नरगिस महिलाओं के हक के लिए आवाज उठा रही थीं।2003 में उन्होंने तेहरान के डिफेंडर्स ऑफ ह्यूमन राइट सेंटर में काम शुरू किया। नोबेल प्राइज की वेबसाइट के मुताबिक, नरगिस मोहम्मदी को जेल में बंद कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों की सहायता करने की कोशिश करने के आरोप में पहली बार 2011 में जेल हुई थी। उन्हें 2 साल बाद जमानत मिल गई थी। 2015 में उन्हें दोबारा जेल हुई।

8 साल से बच्चों से नहीं मिलीं नरगिस

जून में न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में नरगिस ने कहा था कि उन्होंने 8 साल से अपने बच्चों को नहीं देखा है। उन्होंने आखिरी बार अपनी जुड़वा बेटियों अली और कियाना की आवाज एक साल पहले सुनी थी। नरगिस की दोनों बेटियां उनके पति तागी रहमानी के साथ फ्रांस में रहती हैं। दरअसल, तागी भी एक पॉलिटिकल एक्टिविस्ट हैं। जिन्हें ईरान की सरकार ने 14 साल जेल की सजा दी थी।नरगिस ने एक किताब भी लिखी है, जिसका नाम व्हाइट टॉर्चर है। ईरानी हुकूमत की तमाम कोशिशों के बावजूद, मोहम्मदी की आवाज दबाई नहीं जा सकी। जेल में रहते हुए उन्होंने साथी कैदियों की तकलीफ को दर्ज करना शुरू किया। आखिरकार कैदियों से बातचीत के पूरे ब्योरे को उन्होंने व्हाइट टॉर्चर किताब में उतार दिया। 2022 में उन्हें रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (RSF) के साहस पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था।

लकी खान की फ़िल्म 'खौफ' बटोर रही वाह वाही

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। मुरादाबाद पाकबड़ा के पास गांव लोधिपुर राजपूत निवासी अभिनेता और निर्देशक लकी खान ने आठवें देहरादून इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। देहरादून में रहकर यूट्यूब पर हॉरर शॉर्ट हिट फिल्में से लकी खान ने अपना कैरियर बनाना शुरू यिा।

भूतो की प्रेम कहानी ,हन्टेड हाउस ,आत्मा ,छलावा ,वो कौन थी , हन्टेड हॉस्टल ,भुतिनी का साया ,इंसानिया एक धर्म आदि बनाई और काम किया जो लोगो को काफी पसंद आई और अब जापान में रहकर और जापानी कलाकारों के साथ अपनी एक और हॉरर फिल्म बनाई जिसका नाम खौफ है ।

लकी खान ने बताया यूट्यूब पर नया चैनल बनाया था और काम सब्सक्राइबर होने पर भी लोगो ने मेरी जापान में बनी शॉट फिल्म खौफ काफी पसंद की मुझे जापान में जापानी कलाकारों के साथ फिल्म बनाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा और मैं अब अगली फिल्म

बना रहा हूं जिसका नाम होगा अकाल मृत्यु उन्होंने बताया कि देहरादून में शुक्ला परिवार मेरे लिए एक भगवान जैसे हैं जिन्होंने मुझे अपना भाई अपना बेटा समझ कर बहुत प्यार दिया और सम्मान दिया और आज मैं उन्हीं के प्यार और आशीर्वाद से इस मुकाम पर हूं।

15 अक्टूबर से होगी शारदीय नवरात्रि की शुरुआत, जानिए पूजन विधि

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 अक्टूबर , हिंदू धर्म में शारदीय नवरात्रि का विशेष महत्व है. यह पर्व देवी शक्ति मां दुर्गा की उपासना को समर्पित है. नवरात्रि के नौ दिनों में दुर्गा मां के नौ अलग-अलग रूप की पूजा-आराधना की जाती है. नवरात्रि का पर्व एक साल में पांच बार आता है. इनमें चैत्र और अश्विन यानि शारदीय नवरात्रि को ही मुख्य माना गया है. आषाढ़, पौष और माघ में आने वाली नवरात्रि गुप्त नवरात्रि कहलाती है. शारदीय नवरात्रि अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तक मनायी जाती है.

इस बार शारदीय नवरात्रि का आरंभ 15 अक्टूबर रविवार से हो रहा है. नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा की जाती है. मां शैलपुत्री दुर्गा के नौ रूपों में पहला रूप हैं. नवरात्रि के पहले दिन पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ मां शैलपुत्री की पूजा की जाती है. मां शैलपुत्री पर्वतराज हिमालय की पुत्री हैं. इन्हें मां पार्वती के नाम से भी जाना जाता है. मां शैलपुत्री के माथे पर अर्ध चंद्र, दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल है. नंदी बैल इनकी सवारी है. देवी शैलपुत्री की पूजा से पहले घटस्थापना की जाती है.

प्रतिपदा तिथि को शुभ मुहुर्त में पूरे विधि-विधान से घट स्थापना की जाती है. दिन के एक तिहाई हिस्से से पहले घटस्थापना की प्रक्रिया पूरी कर लेनी चाहिए. कलश स्थापना के लिए अभिजीत मुहूर्त को सबसे उत्तम माना गया है. घटस्थापना अथवा कलश स्थापना के लिए कुछ आवश्य सामग्री जैसे सप्त धान्य (7 तरह के अनाज), मिट्टी का एक बर्तन, पवित्र स्थान से लायी गयी मिट्टी, कलश, गंगाजल, आम या अशोक के पत्ते, सुपारी, जटा वाला नारियल, अक्षत, लाल वस्त्र और पुष्प जुटा लें.

नवरात्रि में घटस्थापना अथवा कलश स्थापना का विशेष महत्व होता है. घटस्थापना के दिन से ही नवरात्रि की शुरुआत होती है. सबसे पहले जौ बोने के लिए मिट्टी का पात्र लें. अब इस पात्र में मिट्टी की एक परत बिछाएं अब एक परत जौ की बिछाएं. अब एक कलश में जल भरें और उसके ऊपरी भाग में कलावा बांधकर उसे उस मिट्टी के पात्र पर रखें. इस कलश के ऊपर अशोक या फिर आम के पत्ते रखें. अब नारियल में कलावा लपेट लें. इसके बाद नारियल को लाल कपड़े में लपेटकर कलश के ऊपर और पल्लव के बीच में रखें. नारियल की स्थापना सदैव इस प्रकार करनी चाहिए कि उसका मुख साधक की तरफ रहे. घटस्थापना पूर्ण होने के बाद देवी का आह्वान किया जाता है. दीपक जलाकर कलश का पूजन करें. कलश को धूपबत्ती दिखाएं. कलश को माला, फल, मिठाई अर्पित करें. कलश की स्थापना और पूजन के बाद उसे प्रणाम करना चाहिए.

मसूरी में दिखने लगी खूबसूरत विंटर लाइन, अद्भुत है नजारा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 07 अक्टूबर : सर्दी के मौसम की शुरुआत होते ही मसूरी के आसमान में एक अद्भुत नजारा दिखाई देता है, ऐसा लगता है मानो प्रकृति ने अपने सारे रंग नीले आसमान में बिखेर दिए हों। इस खूबसूरत नजारे को हम विंटर लाइन के नाम से जानते हैं। मसूरी में भी गुलाबी ठंड की शुरुआत हो गई है और कई क्षेत्रों से विंटर लाइन का खूबसूरत नजारा दिखने लगा है। पर्यटकों के लिए विंटर लाइन का दिखाई देना किसी सौगात से कम नहीं, इसलिए लोग इस खूबसूरत नजारे को कैमरे में कैद करने के लिए उतावले नजर आ रहे हैं।

सीजन में पहली बार माल रोड, लाल टिब्बा, विंसेट हिल, राधा भवन सहित कई जगह से विंटर लाइन का नजारा दिखा। आमतौर पर विंटर लाइन नवंबर से फरवरी तक दिखती है, लेकिन इस बार विंटर लाइन के समय से पहले दीदार हो गए, जिससे स्थानीय लोग और पर्यटक बेहद उत्साहित हैं। मसूरी घूमने आए सैलानियों ने कहा कि विंटर लाइन की खूबसूरती को शब्दों में बयां करना मुश्किल है।

विंटर लाइन का नजारा देख, उनकी मसूरी यात्रा का उद्देश्य पूरा हो गया। विंटर लाइन का खूबसूरत नजारा दुनिया में कुछ ही जगहों पर दिखाई देता है, जिसमें मसूरी भी शामिल है। सूर्यास्त के बाद यहां पश्चिम दिशा में आसमान में लाल, नारंगी रंग की रेखा दिखाई देती है जो कि मसूरी की खूबसूरती को और बढ़ा देती है। विंटर लाइन के प्रचार प्रसार के लिए नगर पालिका ने भी खास योजना बनाई है। मसूरी की माल रोड सहित कई स्थानों पर विंटर लाइन व्यू प्वाइंट प्रस्तावित हैं, जिस पर तेजी से कार्य किया जाएगा।

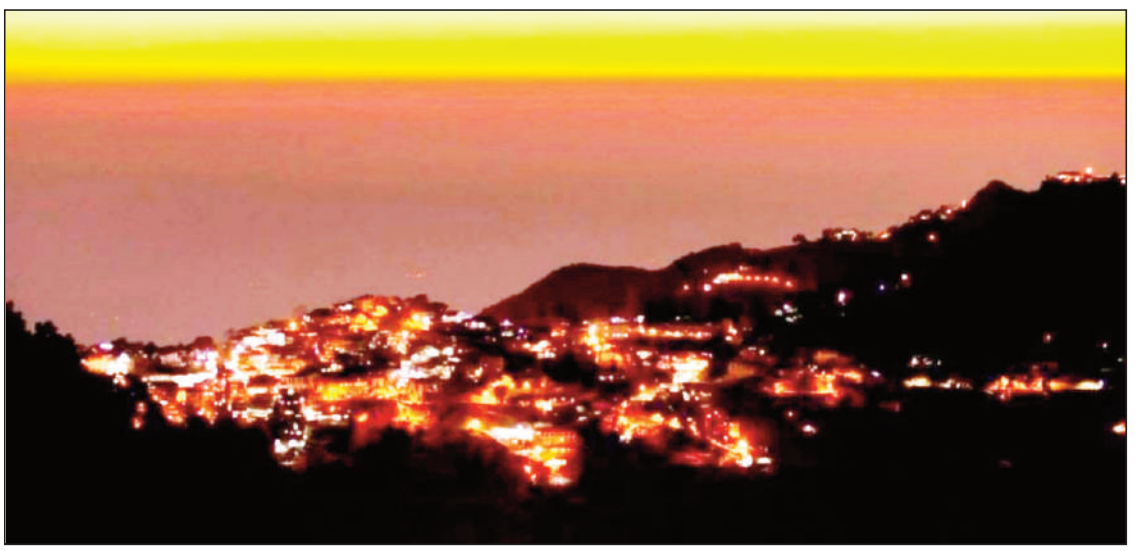

उत्तराखंड में अब लाइसेंस लेकर घरों में भी परोसी जा सकेगी शराब

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 07 अक्टूबर : उत्तराखंड में अब लाइसेंस लेकर घरों में भी शराब परोसी जा सकेगी। राज्य में नई आबकारी नीति 2023- 24 के तहत घर में बार खोलने के लिए लाइसेंस दिए जा रहे हैं। देहरादून में इसका पहला लाइसेंस जारी किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उत्तराखंड सरकार की नई आबकारी नीति 2023-24 के तहत घर में बार खोलने के लिए लाइसेंस दिया जा रहा है। राज्य सरकार ने नई आबकारी नीति 2023-24 बनाते हुए यह घोषणा की है। इस नियम के तहत अब घरों में बार बनाकर 50 लीटर शराब रखी जा सकेगी। इसके लिए सरकार की ओर से लाइसेंस जारी किया जाएगा। हालांकि नई आबकारी नीति 2023-24 कुछ समय पहले ही लागू हो चुकी है, लेकिन इस नीति के तहत घर पर भी बार खोलने का पहला लाइसेंस अब जारी हुआ है। इसके लिए फीस चुकानी होगी और कुछ शर्तों को भी मानना होगा।

देहरादून जिला आबकारी अधिकारी राजीव सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि आबकारी नीति के अनुसार प्रक्रिया पूरी कर व्यक्तिगत उपयोग के लिए पहला लाइसेंस जारी कर दिया गया है। जिला आबकारी अधिकारी ने कहा कि इसका शपथ पत्र भी लिया गया है। इस तरह के बार लाइसेंस के लिए प्रति वर्ष 12 हजार

रुपये फीस देनी होगी और एक निश्चित मात्रा में भारत में निर्मित शराब 9 लीटर और विदेशी मदिरा (इम्पोर्टेड) 18 लीटर, वाइन 9 लीटर और बीयर 15.6 लीटर रखने की अनुमति दी जाती है। नियम के अनुसार लाइसेंस लेने वाले व्यक्ति को इसके लिए प्रतिवर्ष 12000 रुपए फीस देनी होगी।साथ ही बनाए गए बार परिसर में वह निजी रूप से ही शराब का उपयोग कर सकता है।

इसके अलावा लाइसेंस धारी को एक शपथ पत्र इस बात का भी देना होगा कि बार परिसर में 21 साल से कम उम्र का कोई व्यक्ति प्रवेश नहीं करेगा। नीति के अनुसार शर्तों के रूप में धारक इसका उपयोग व्यक्तिगत के लिए करेगा और जिस जगह बार बनाया जाएगा उस जगह पर घर का कोई भी 21 वर्ष से कम उम्र का सदस्य नहीं जाएगा। इसके अलावा लाइसेंस धारक बंदी के दिन बार को बंद रखेगा।

संक्षिप्त खबरें

भीमगोड़ा रामलीला का मंचन शुरू, झंडा जुलूस निकाला

हरिद्वार । श्रीराम नाट्य संस्थान भीमगोड़ा का गुरुवार की रात को झंडा जुलूस धूमधाम से निकाला गया। भीमगोड़ा स्थित रामलीला भवन में पूजा अर्चना के बाद जुलूस प्रारंभ किया गया। बैंड बाजों के साथ जुलूस खडख़ड़ी, पंजाब सिंह क्षेत्र में भीमगोडा, काली मंदिर होते हुए हरकी पैड़ी पर समाप्त हुआ जहां गंगा घाट पर पूजन अर्चना की गई। मंचन के डायरेक्टर ने बताया कि राम के अभिनय में आदित्य चौहान, सीता के अभिनय में प्रशांत शर्मा, हनुमान के अभिनय में शुभम नौटियाल, भारत के अभिनय में गौरव उपाध्याय, शत्रुघ्न के अभिनय में कौशलेंद्र चौहान रहेंगे। उन्होंने बताया कि रामलीला मंचन रंगमंच पर शुरू कर दिया गया है। पहले दिन नारद मोह की लीला का मंच होगा। शनिवार को कैलाश लीला का मंचन किया जाएगा। बताया कि इस बार संस्था के फेसबुक पेज पर ऑनलाइन रामलीला का मंचन दिखाया जाएगा। झंडा जुलूस में अध्यक्ष रमेश गुप्ता, महामंत्री अशोक कुमार, कोषाध्यक्ष पवन कुमार, प्रमोद घिल्डियाल, दिनेश बंसल, गगनदीप गोस्वामी, सुरेश शर्मा, उमाकान्त ध्यानी, यागिक वर्मा, विनोद घिल्डियाल, हरिमोहन वर्मा, शुभम जोशी आदि शामिल रहे।

राइंका चौबट्टाखाल को उत्तराखंड बोर्ड में करें शामिल

पौड़ी । अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज चौबट्टाखाल में खंड शिक्षा अधिकारी अमित चौहान की अध्यक्षता में विद्यालय अभिभावक संघ व विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अभिभावकों ने राजकीय इंटर कॉलेज चौबट्टाखाल को सीबीएसई बोर्ड से हटाकर उत्तराखंड बोर्ड में सम्मिलित किए जाने का प्रस्ताव पारित किया गया। अभिभावकों का कहना है की सीबीएसई का पैटर्न बच्चे नहीं समझ पा रहे हैं। जबकि दोनों ही बोर्ड में पाठ्यक्रम की समानता है। इंटर कालेज को पूर्व की भांति उत्तराखंड बोर्ड में ही सम्मिलित किया जाए। इस अवसर पर विद्यालय अभिभावक संघ अध्यक्ष मधुबाला, एसएमसी अध्यक्ष योगेंद्र रावत शामिल रहे। खंडशिक्षा अधिकारी अमित चौहान ने बताया कि यह प्रस्ताव विभाग को भेज दिया गया है। इस मौके पर प्रधानाचार्य गीता लिंगवाल, राजकुमारी देवी, सुनील रतूड़ी, राजेश सुंदरियाल सुनीता देवी, प्रदीप सुंदरियाल आदि शामिल रहे।

पौड़ी परिसर में पहले दिन 6 ने किया नामांकन

पौड़ी। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के पौड़ी परिसर में शुक्रवार को नामांकन के पहले दिन 6 प्रत्याशियों ने नामांकन किए। अध्यक्ष पद पर निर्दलीय प्रत्याशी ऋतिक सिंह असवाल, उपाध्यक्ष पद पर रोहित कुमार, सचिव पद पर रितिक रावत, कोषाध्यक्ष पद पर लविश नेगी, यूआर पद पर विनय रावत व छात्रा प्रतिनिधि पर खुशी ने अपना नामांकन किया।मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो.राजेश डंगवाल ने बताया कि शुक्रवार को नामांकन के पहले दिन 6 प्रत्याशियों ने नामांकन किए। शनिवार को भी नामांकन प्रक्रिया जारी रहेगी।

कमर के निचले हिस्से का दर्द हलके में न लें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 अक्टूबर , आजकल खराब लाइफ़स्टाइल या दिन भर ऑफिस में बैठकर काम करने से लोगों में कमर दर्द की शिकायत रहती है. ऐसे में सोते जागते ये दर्द काफी परेशान Health Tips करता है. कमर दर्द की समस्या होने पर लोग इससे छुटकारा पाने के लिए कई तरह के घरेलू नुस्खे अपनाते हैं. लेकिन, कई बार यह दर्द बना रहता है और अक्सर थोड़े थोड़े समय पर उभरता रहता है. ऐसे में इस प्रकार के दर्द को भूलकर भी नजरअंदाज नहीं करना Lower Back Pain Causes चाहिए.

कमर दर्द कई बार कुछ लोगों को लंबे समय तक परेशान करता है। ये कुछ ऐसा होता है कि जब भी आप सोते हैं तो ये दर्द उठ सकता है। इसके अलावा जागने पर या करवट बदलने पर भी ये दर्द होता है। इसके अलावा कई बार तो ये इतना गंभीर हो सकता है कि आपको काम करने में भी दिक्कत हो सकती है। ऐसे में इस प्रकार के दर्द को नजरअंदाज करना सही नहीं है। क्योंकि कई बार निचले कमर का दर्द इन बीमारियों का संकेत हो सकता है। तो, क्या हैं ये बीमारियां जानते हैं इस बारे में।

कमर के निचले हिस्से में दर्द क्यों होता है

उभरी हुई या टूटी हुई डिस्क-Bulging or ruptured disks

डिस्क रीढ़ की हड्डियों के बीच कुशन की तरह काम करती है। डिस्क के अंदर का नरम पदार्थ ऊपर उभर सकता है या टूट सकता है और तंत्रिका पर दबाव डाल सकता है। उभरी हुई या फटी हुई डिस्क पीठ दर्द का कारण बन सकती है। ऐसे में डॉक्टर को दिखाएं और उनके कहने पर स्पाइन एक्स-रे, सीटी स्कैन या एमआरआई करवाएं।

अर्थराइटिस-Arthritis

अर्थराइटिस में कई बार कमर के निचले हिस्से में दर्द हो सकता है। दरअसल, गठिया के कारण रीढ़ की हड्डी के आसपास की जगह सिकुड़ सकती है, इस स्थिति को स्पाइनल स्टेनोसिस कहा जाता है। ऐसे में अगर इसका दर्द आपको लगातार परेशान कर रहा है तो आपको डॉक्टर को दिखाना चाहिए। ये कारण हो सकता है।

ऑस्टियोपोरोसिस-Osteoporosis

ऑस्टियोपोरोसिस पीठ के निचले हिस्से को प्रभावित कर सकता है। दरअसल, इस बीमारी में हमारी हड्डियां अंदर से खोखली होने लगती हैं। ऐसे में थोड़ा सा भी प्रेशर तेज दर्द का कारण बन सकता है। इसके अलावा जैसे-जैसे हड्डियां खोखली होती जाती हैं स्थिति और खराब हो

सकती है। इसलिए समय पर डॉक्टर को दिखाएं।

एंकिलॉजिंग स्पॉन्डिलाइटिस-Ankylosing spondylitis

एंकिलॉजिंग स्पॉन्डिलाइटिस, जिसे एक्सियल स्पोंडीलों आर्थराइटिस भी कहा जाता है। इसमें रीढ़ की हड्डी में सूजन आ जाती है और कई बार ये दूसरी हड्डियों के आस-पास भी फैलने लगती है। इससे रीढ़ की हड्डी कम लचीली हो जाती है और ये दर्द का कारण बन सकती है।

क्या आप जानते हैं फ्लाईओवर और ओवर ब्रिज के बीच अंतर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 अक्टूबर , बहुत से लोग फ्लाईओवर और ओवर ब्रिज को एक ही समझते हैं. लेकिन इन दोनों के बीच अंतर होता है. क्या आप जानते हैं फ्लाईओवर और ओवर ब्रिज के बीच का ये अंतर आखिर है क्या ? ट्रैफिक जाम की समस्या से बचने के लिए और एक-जगह से दूसरी जगह पहुंचने के लिए भारत में तेजी से एक्सप्रेस वे, हाईवे, अच्छी सड़कों का निर्माण किया जा रहा है.लेकिन अगर आप फर्न नहीं जानते हैं तो आज हम आपको बताते हैं.

आपको बता दें कि फ्लाईओवर का निर्माण ट्रैफिक जाम की समस्या से बचने के लिए किया जाता है.फ्लाईओवर की अधिकतम लम्बाई करीब सात किलोमीटर तक हो सकती है.ओवरब्रिज की बात करें तो इसका निर्माण सड़क के ऊपर किया जाता है.ओवरब्रिज का मकसद ट्रेन को बिना किसी रुकावट के क्रॉस कराना होता है. इसके अलावा इसे ऐसी जगह भी बनाया जाता है जहां भारी ट्रैफिक की वजह से रोड पार करना मुश्किल हो.

OMG इस गांव में हर घर में है हवाई जहाज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 07 अक्टूबर : आजकल हर किसी के घर में एक न एक वाहन तो जरुर मिलता है। चाहे फिर वो मोटरसाइकिल हो या कार। ज्यादातर लोग इन्हीं वाहनों से बाहर आते जाते हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं जहां लोग अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में हवाई जहाज का इस्तेमाल करते हैं।

जी हां, वैसे तो आप किसी दूसरे जाने के लिए ही फ्लाइट यानी हवाई जहाज का इस्तेमाल करते हैं। जिसके लिए आपको खूब सारे पैसे भी देने पड़ते हैं। लेकिन एक ऐसी जगह भी है जहां, लोग हवाई जहाज का प्रयोग बाइक या कार की ही तरह कहीं आने जाने के लिए करते हैं। आपको सुनने में अजीब तो लग रहा होगा लेकिन ये सच है। ये जगह अमेरिका के कैलिफोर्निया में स्थित है जिसे कैमरन एयर पार्क के नाम से जाना जाता है। यहां हर किसी के घर के सामने एक एयरक्राफ्ट खड़ा रहता है। इन्हें कहीं भी जाना हो, ये सीधा प्लेन निकाल कर चल पड़ते हैं। यहां की सड़कों को भी रनवे जैसा ही चौड़ा बनाया गया है। जिसके कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी हुए हैं। दिलचस्प बात ये हैं कि, यहां रहने वाले सभी लोग पायलेट हैं और अपने एयरक्राफ्ट को वे खुद ही उड़ाते हैं। ये एक तरह की फ्लाइट इन कम्यूनिटी है, जहां शनिवार की सुबह इकट्ठा होकर लोग साथ में लेकर एयरपोर्ट तक जाते हैं। बता दें कि, द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जो एयरफील्ड बने थे, उन्हें बदला नहीं गया और उन्हें रेसिडेंशियल एयर पार्क बना दिया गया। यहां रिटायर्ड मिलिट्री पायलट रहते हैं। 1946 के दौरान अमेरिका में कुल लाख पायलट थे। जिन्होंने इन एयर पार्क्स में रहना शुरु किया। कैमरन पार्क साल 1963 में बना था और यहां कुल 124 घर हैं। यहां सड़कों के नाम भी एयरक्राफ्ट्स के नाम पर ही रखे गए हैं और स्ट्रीट साइन भी एयरक्राफ्ट फ्रेंडली बनाए गए हैं।

मसूरी की इस जगह पर है आत्माओं का ठिकाना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मसूरी 07 अक्टूबर : अपनी खूबसूरत वादियों के लिए मशहूर उत्तराखंड देश-विदेश के सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां की हसीन वादियों में कुछ जगहें ऐसी भी हैं, जिन्हें आत्माओं का ठिकाना कहा जाता है। जिस तरह विंचेस्टर मिस्ट्री हाउस, एमटीविले हाउस, व्हाइट हाउस, मिटलेस प्लांटेशन, द जोशुआ वार्ड हाउस जैसी जगहें स्पूकी टूरिज्म के लिए मशहूर हैं।

उसी तरह उत्तराखंड में भी ऐसी कई जगहें हैं, जिन्हें देश की सबसे डरावनी जगहों में शुमार किया जाता है। देहरादून के पास स्थित मसूरी में एक ऐसी ही जगह है, कहते हैं यहां आज भी मजदूरों की आत्मा भटकती है, लोगों को मदद के लिए पुकारती हैं। हम बात कर रहे हैं लांबी देहर माइंस की, जो कि मसूरी के बाहरी इलाके में स्थित है। कहते हैं साल 1990 से पहले यहां पर हजारों मजदूर काम करते थे। इसी दशक में यहां एक अप्रिय घटना घटी और एक हादसे में कई मजदूरों की जान चली गई।

दरअसल लाइमस्टोन माइंस में बीमारियों से बचाव के लिए कई सुरक्षा नियम बने हुए थे, पर लांबी देहर माइंस में इस तरह के किसी भी नियम का पालन नहीं होता था। नतीजतन यहां पर बड़ी तादाद में मजदूर बीमारी से मरने लगे। यहां माइंस में काम पर लगे ट्रकों के पहाड़ी से गिरने की भी कई घटनाएं हुई हैं। लिहाजा माइन

को हमेशा के लिए बंद कर दिया गया। तब से यह माइन बदहाल है और काफी भयावह है। कहते हैं यहां 50 हजार लोग बीमार पड़ गए थे।

हजारों लोगों की मौत होने के बाद गांव के लोग यहां से पलायन कर गए। उसके बाद इस जगह को भुतहा घोषित कर दिया गया। लोग बताते हैं कि इस वीरान जगह पर एक हेलीकॉप्टर रहस्यमयी तरीके से क्रैश हो चुका है। खाली पड़ी ये माइन और इसके आसपास बने घर अब आत्माओं का ठिकाना हैं। इस जगह के बारे में यह भी कहा जाता है कि यहां चलते हुए वाहन अचानक सड़क से उत्तर जाते हैं, जिससे कई बार गंभीर हादसे भी हो जाते हैं। रात के वक्त यहां लोगों की आवाज सुनाई देती है। खाली पड़ी ये माइन और इसके आसपास बने घर अब आत्माओं का ठिकाना हैं।

पानी कनेक्शन लेने को दिने पड़ रहे डेढ़ सौ रुपये

पौड़ी। विकासखंड बीरोंखाल अंतर्गत नाकुरी गांव के ग्रामीणों को जल जीवन मिशन के तहत घरेलू पानी कनेक्शन लेने के लिए एक सौ पचास रुपये देने पड़ रहे हैं। जिससे ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों में भारी आक्रोश है। नाकुरी प्रधान सुनीता देवी ने बताया कि उनके गांव के लिए जल संस्थान पौड़ी द्वारा जल जीवन मिशन के तहत ताछीखाल-नाकुरी पेजजल योजना के लिए 96 लाख रुपये स्वीकृत हैं। ग्रामीणों का आरोप हैं कि उन्हें कनेक्शन लेने लिए एक सौ पचास रुपये देने पड़ रहे हैं। उधर, जल संस्थान के अवर सहायक अभियंता सौरभ पांडे ने बताया कि कनेक्शन लेने के लिए सौ रुपये का स्टांपपेपर, पच्चीस रुपये का फार्म, एक रुपये में कनेक्शन दिया जाना हैं। यदि ठेकेदार ग्रामीणों से अधिक पैसे ले रहा होगा तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दिसंबर तक कार्य पूरा करने के दिए निर्देश

पौड़ी। जल जीवन मिशन कार्यों की समीक्षा बैठक में डीएम ने जेजेएम के कार्यों की भौतिक प्रगति के सापेक्ष वित्तीय प्रगति सुधारने के निर्देश अफसरों को दिए। कहा कि 2 करोड़ की लागत से सभी 58 कार्य हर हाल में दिसंबर तक पूरे हो जाए। बैठक में डीएम डा.आशीष चौहान ने जल जीवन मिशन कार्यों की समीक्षा करते हुए जल निगम व जल संस्थान के अफसरों को जल जीवन मिशन कार्यों की प्रगति बढ़ाते हुए प्रतिदिन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने परिवहन विभाग के 10 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 7 अक्टूबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में परिवहन विभाग के अन्तर्गत कनिष्ठ सहायक के पद पर उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से चयनित 10 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये।

मुख्यमंत्री ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपके परिश्रम और ईश्वर की कृपा से सेवा के क्षेत्र में कार्य करने का जो अवसर मिल रहा है, अपने कार्यक्षेत्र में पूरी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ करें।

कार्य क्षेत्र में नये जीवन की शुरूआत आत्म अनुशासन और नियमित दिनचर्या के साथ करें। जन सेवा करने का जो अवसर मिला है, इसमें अपनी सामर्थ्य का पूरा उपयोग कर करें।

सचिव परिवहन अरविन्द सिंह ह्यांकी ने कहा कि परिवहन विभाग, उत्तराखण्ड के अन्तर्गत विगत 02 वर्षों में 01 सम्भागीय निरीक्षक और 59 परिवहन आरक्षियों को सीधी भर्ती के माध्यम से नियुक्ति प्रदान की

गई। कनिष्ठ सहायक के 39 और सहायक लेखाकार के 17 पदों पर चयन प्रक्रिया गतिमान है। परिवहन विभाग के अन्तर्गत सीधी भर्ती के विभिन्न पदों के लिए 147 पदों का अधियाचन आयोग के लिए भेजा गया है। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी एवं परिवहन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

देश का एक ऐसा गांव जहां हर घर है डॉक्टर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 07 अक्टूबर : ये गांव महाराष्ट्र के ठाणे जिले में स्थित है। इस गांव में लगभग तीस परिवार रहते हैं। इनमें से ज्यादातर परिवार में से एक न एक सदस्य डॉक्टर है। दरअसल, यहां के बच्चों को शुरू से ही डॉक्टर बनने के लिए मोटिवेट किया जाता है। यहां के लोग यही कोशिश करते हैं कि आगे भी गांव के बच्चे डॉक्टर बनते रहें। यहां के लोगों का मानना है कि डॉक्टर बन किसी की जान बचाने से बड़ा दुनिया में कुछ नहीं है। गौर करने वाली बात ये है कि यहां के सभी परिवार सामान्य आर्थिक स्थिति वाले हैं, लेकिन इसके बाद भी वे अपने बच्चों को डॉक्टर बना रहे हैं।

अब आप सोच रहे होंगे कि ये परंपरा कहा से शुरू हुई। गांव में डॉक्टर बनने की कहानी साल 2000 से शुरू हुई थी। संजय पाटिल गांव के पहले शख्स थे जो डॉक्टर बने थे। जब वे डॉक्टर बनें तो न सिर्फ उनकी आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आया बल्कि समाज में भी उनका और उनके पूरे परिवार का आदर सम्मान बढ़ा। बस फिर क्या था,

ये सब देख कर गांव के हर बच्चे के मन में डॉक्टर बनने का सपना पनपने लगा। परिवार वाले भी बच्चों डॉक्टर बनाने की होड़ में लग गए। और यही वजह है कि आज इस गांव के हर परिवार से एक जना डॉक्टर बना है या बन रहा है।

संपादकीय

सोने सरीखी मेरी बेटी

परिवार नियोजन की सामाजिक दृष्टि को और सशक्त करने के लिए सुक्खू सरकार ने बालिका योजना की प्रोत्साहन राशि को आगे बढ़ाया है। आइंदा एक बेटी की सीमा में रहते हुए परिवार नियोजित करने वाले लोगों को पैंतीस हजार की बजाय दो लाख और दो बेटियों के परिवार को एक लाख रुपए मिलेंगे। यह एक ऐसा सम्मान है जो परिवार से देश तक के लिए नारी शक्ति का इजहार कर रहा है। कहना न होगा कि हिमाचल राज्य की सामाजिक सुरक्षा में निरंतर इजाफा हुआ है और कमोबेश हर सरकार ने सामाजिक कल्याण की सुखिंयां बटोरी हैं। वर्तमान सुक्खू सरकार ने भी अपनी प्राथमिकताओं के मरहम से ऐसे ही अनेक पहलुओं को छूने की इच्छाशक्ति दिखाई है। सुख आश्रय योजना के तहत अनाथ बच्चों को मिल रहा चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट का दर्जा, अपनी तरह की अनूठी पहल है, जिसके तहत सैकड़ों निराश्रित बच्चों को सरकार न केवल आश्रय, बल्कि उम्मीदों का आकाश भी सौंप रही है। इसके तहत अब पारिवारिक व सामाजिक विडंबनाओं के बाहर अनाथ बचपन के करीब भविष्य का सूरज लाने का वादा न केवल सरकार ने किया है, बल्कि वित्तीय आबंटन से अनाथ बच्चों का वित्तीय रूप से समर्थन शुरू किया गया। वित्तीय लाभ से सुसज्जित कई तरह की सामाजिक पेंशन स्कीमें हिमाचल को अति सुरक्षित राज्य बना चुकी हैं। हालांकि अति सुरक्षात्मक दृष्टि व राज्य प्रायोजित प्रश्रय योजनाओं के कारण एक तरह का निठल्लापन भी हिमाचल में विकसित हुआ है। सरकार का 'कामधेनु' होना एक हद तक तो समझ में आता है, लेकिन सरकारी संसाधनों के पक्ष में सामाजिक दायित्व की भूमिका भी परिलक्षित होनी चाहिए। बहरहाल हिमाचल के आंगन में बेटी का सोना होना, हिमाचली समाज की रूपरेखा में एक स्वर्णिम अध्याय है। यही वजह है लिंगानुपात में एक हजार पुरुषों के मुकाबले औरतों की तादाद 972 तक पहुंच गई है, जबकि महिलाओं की साक्षरता दर भी 76 प्रतिशत तक के सम्मानीय आंकड़े को छू रही है। उन्नीसवीं एशियाई खेलों में भारतीय महिला कबड्डी की कप्तानी कर रही रितु नेगी के अलावा क्रिकेट, एथलेटिक्स व हैंडबाल जैसी खेलों में प्रदेश की बेटियों ने भी देश के लिए नाम कमाया है। पुरुषों के क्षेत्र में खास तौर पर सैन्य बलों में प्रदेश की बेटियां सरहद, समुद्र से आकाश तक प्रदेश की सैन्य पृष्ठभूमि को अलंकृत कर रही हैं। ऐसा कोई स्थान या मुकाम नहीं जहां हिमाचली बेटियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा नहीं मनवाया। फिल्म-टीवी जगत से गीत-संगीत की दुनिया तक प्रदेश के महिला सशक्तीकरण की धाक है। इस दौरान नारियों के खिलाफ आपराधिक व घरेलू हिंसा के मामलों में भी काफी कमी आई है, फिर भी आर्थिक पिछड़ेपन की दुरुहता में फंसे हिमाचल को अभी और देखभाल की जरूरत है। हिमाचल में समूचे देश से कहीं भिन्न ट्राइबल वूमेन की आर्थिक व सामाजिक तरक्की है। कई अनुकरणीय उदाहरण पांगी-भरमौर, लाहुल-स्पीति व किन्नौर की औरतें पेश कर रही हैं और इसके लिए महिला संगठन, स्वयं सहायता समूह व गैर सरकारी संस्थाएं श्रेय की पात्र हैं। चंबा, लाहुल-स्पीति, किन्नौर और सिरमौर के कई स्वयं सहायता समूहों ने ग्रामीण उत्पादों के अलावा ऊनी वस्त्रों तथा परंपरागत पहरावों का संरक्षण करने में श्रेष्ठता हासिल की है।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

SSP NAINITAL ने बहुउद्देशीय भवन का किया भ्रमण, दिए सख्त निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल , 7 अक्टूबर , प्रहलाद नारायण मीणा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल ने बहुउद्देशीय भवन का भ्रमण किया । इस दौरान एसपी सिटी, एसपी क्राइम, सीओ कार्यालय, वाचक, अभिसूचना, ऑपरेशन, पीआरओ शाखा, सिंगल विण्डो, शिकायत प्रकोष्ठ, मोबाईल एप, मोनेटरिंग सैल, साईबर सैल, सिटी कन्ट्रोल रूम, एंटी ह्यूमन, सीसीटीवी मॉनिटर कक्ष, डायल 112 आदि कार्यालयों का भ्रमण के किया गया।

भ्रमण के दौरान एसएसपी नैनीताल द्वारा विभिन्न शाखाओं में तैनात अधि0/कर्म0 द्वारा संपादित किए जा रहे कार्यों की जानकारी करते हुए रजिस्टरों में डाटा एन्ट्री का निरीक्षण कर कार्यालय अभिलेखों का सही ढंग से रख रखाव, अद्यतन करने तथा कार्यालयों के उपकरणों की साफ-सफाई, तथा के रख-रखाव का विशेष ध्यान देने हेतु निर्देशित किया गया। बहुउद्देशीय भवन में बने महिला एवं पुरूष शौचालयों के निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई पर नाराजगी व्यक्त करते हुए बहुउद्देशीय भवन हेतु एक सफाई कर्मचारी नियुक्त करने एवं एक कर्मचारी को साफ-सफाई की देखरेख हेतु डे-हवालात प्रभारी को निर्देशित किया गया।

यातायात कार्यालय के भ्रमण के दौरान ट्रैफिक आई एप में प्राप्त ऑन लाईन शिकायतों

का जायजा लिया तथा चालान जमा हेतु आने वाले सभी आमजनमानस से शालीनतापूर्ण व्यवहार करने हेतु कहा गया।साईबर सैल शाखा के कार्यो की जानकारी लेते हुए ऑनलाइन फ्रॉड से सम्बन्धित शिकायतों का तत्काल निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त महिला समाधान केन्द्र का भ्रमण पारिवारिक मामलों में गहनता से काउन्सलिंग कर प्रकरणों को अनावश्यक लम्बित न रखने एवं आगन्तुकों/बच्चों हेतु प्रतिदिन दैनिक अखबार एवं मासिक बुक रखने हेतु महिला समाधान केन्द्र के प्रभारी निर्देशित किया गया।

कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल रूम का भ्रमण कर शहर में लगे सीसीटीवी की मॉनिटरिंग करते हुए प्रभारी को निर्देशित किया गया कि शहर में यातायात प्रभावित होने की स्थिति पर सूचना सम्बन्धित प्रभारी को देगें तथा शहर में कोई भी अप्रिय घटना होने पर सबसे पहले मोबाईल डाटा टर्मिनल के अनुसार नजदीगी पैट्रोल कार को भेजा जाय जिसमें थाना क्षेत्र की बाध्ययता न हो। SSP NAINITAL द्वारा डायल 112 सिस्टम में प्राप्त सूचनाओं का रिस्पॉन्श टाइम चैक किया गया तथा डायल 112 सिस्टम के तहत चल रहे पैटोल कार को भीमताल रोड में मूव कराकर लाईव लोकेशन भी सिस्टम में चैक किया गया। सभी पैटोल कारों की लोकेशन सही पाई गयी।

भ्रमण के दौरान भूपेन्द्र सिंह धोनी सीओ सिटी हल्द्वानी, नितिन लोहनी सीओ ऑपरेशन/भवाली, संजीव तिवारी निरीक्षक अभिसूचना, चन्द्रशेखर भट्ट आशुलिपिक व0पु0अ0 नैनीताल, दान सिंह मेहता वाचक व0पु0अ0 नैनीताल, हेमा ऐठानी सहायक पीआरओ आदि उपस्थित रहे।

एंटीबायोटिक लेते समय खाएं ये चीजें, नहीं होगा साइड इफेक्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 अक्टूबर , बहुत ज्यादा बीमार होने या संक्रमित होने पर एंटीबायोटिक दी जाती है। इसका उपयोग शरीर में मौजूद कुछ तरह के जीवाणु को नष्ट करने के लिए किया जाता है। ये बैक्टीरिया को मारने या उनके प्रजनन को खत्म करने का काम करती है। बाद में इनके प्रजनन की संभावना न बने, इसलिए डॉक्टर 3 से 7 दिन का पूरा कोर्स करने की सलाह देते हैं। लेकिन यह दवा लेने के दौरान आप क्या खाते हैं, ये बहुत मायने रखता है। ऐसा इसलिए क्योंकि कुछ खाद्य पदार्थ एंटीबायोटिक के साथ मिलकर अच्छे से काम करते हैं, जबकि कुछ गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल प्रॉब्लम जैसे साइड इफेक्ट को बढ़ा सकते हैं।आयुर्वेद एक्सपर्ट डॉ. वारालक्ष्मी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। उनके अनुसार, कहने को एंटीबायोटिक दवाएं संक्रमण को ठीक करती हैं, लेकिन ये आपके सिस्टम में बैक्टीरिया के प्राकृतिक संतुलन को भी बिगाड़ सकती है। इसलिए एंटीबायोटिक लेने के दौरान सही तरह के भोजन का चुनाव करना जरूरी है। तो चलिए, जानते हैं एंटीबायोटिक लेते वक्त क्या खाना चाहिए।

गर्म और हल्का खाएं : एक्सपर्ट के अनुसार, जब आप बीमार होते हैं, तो अग्नि की ताकत कम हो जाती है। जिससे दस्त या कब्ज जैसे रोग हो सकते हैं। इसलिए ऐसा फूड खाएं, जो आपके पेट के लिए बहुत हल्का हो। ऐसे में खिचड़ी सबसे अच्छा विकल्प है। आप गर्मा गर्म खिचड़ी पर सूखा अदरक भुरक कर खा सकते हैं।

गर्म पानी पिएं: एंटीबायोटिक दवाएं आपकी भूख को कम कर देती हैं। इसलिए जब तक ना खाएं, जब तक की आपको बहुत तेज भूख ना लगे। ऐसा करने के लिए गर्म पानी पिएं और थोड़ा चलें।

सूप का सेवन करें: जब तक एंटीबायोटिक ले रहे हैं, सूप का सेवन करते रहें। ऐसा इसलिए क्योंकि लिक्विड डाइट हल्की और पचाने में आसान होती है। सॉलिड फूड के मुकाबले आसानी से अवशोषित भी हो जाती है। दवा लेने के दौरान वेजिटेबल सूप, चावल की खिचड़ी और मूंग की दाल खाने से आपका पेट एकदम ठीक रहेगा।

छाछ पिएं : कब्ज की समस्या में छाछ पीना बहुत फायदेमंद होता है। इसे बनाने के लिए एक चुटकी नमक, आधा चम्मच जीरा पाउडर और अजवाइन के बीज डाले। खाना खाने के बाद इसे पिएं। इससे आपको पाचन में मदद मिल सकती है।

साइड इफेक्ट से बचने के लिए कैसे ले

एंटीबायोटिक्सएंटीबायोटिक को लेबल पर लिखे निर्देशों के अनुसार लें।कोर्स पूरा करें, भले ही आप अच्छा फील करने लगे हो।एंटीबायोटिक को कभी भी बाद के लिए बचानकर न रखें।एंटीबायोटिक को तोड़कर या चबाकर नहीं खाना चाहिए।अगर आप कोई डोज लेना भूल गए हैं, तो जब याद आए, तब खा लें।एंटीबायोटिक को एक ही समय पर लेना जरूरी है।

यदि लेबल पर इसे खाली पेट लेने के लिए कहा गया है, तो अपने भोजन का समय या तो दवा लेने के एक घंटे बाद या अपनी अगली डोज से दो घंटे पहले रखें।

तीन वैज्ञानिक 2023 का नोबेल रसायन पुरस्कार करेंगे साझा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 अक्टूबर , रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज के तीन वैज्ञानिकों मोंगी जी बावेंडी, लुईस ई ब्रूस और एलेक्सी आई एकिमोव ने 'क्वांटम डॉट्स की खोज और संश्लेषण के लिए' रसायन विज्ञान में 2023 का नोबेल पुरस्कार जीता। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने बुधवार को यह घोषणा की। संस्था की ओर से जारी बयान में कहा गया, "नैनोटेक्नोलॉजी के ये सबसे छोटे घटक अब टेलीविजन और एलईडी लैंप से अपनी रोशनी फैलाते हैं तथा कई अन्य चीजों के अलावा ट्यूमर ऊतक को हटाते समय सर्जनों का मार्गदर्शन भी कर सकते हैं।"

इस साल यह सम्मान संयुक्त रूप से मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से मौंगी जी. बावेंडी, कोलंबिया विश्वविद्यालय से लुईस ई. ब्रूस और नैनोक्रिस्टल टेक्नोलॉजी में काम करने वाले एलेक्सी आई. एकिमोव को दिया गया है। पुरस्कार 'क्वांटम डॉट्स की खोज और संश्लेषण' के लिए के लिए दिया गया है।रसायन विज्ञान का अध्ययन करने वाला प्रत्येक व्यक्ति यह सीखता है कि किसी तत्व के गुण इस बात से नियंत्रित होते हैं कि उसमें कितने इलेक्ट्रॉन हैं। हालांकि, जब पदार्थ नैनो-डायमेंशन में सिकुड़ जाता है तो क्वांटम फेनोमेना पैदा होता हैं। ये पदार्थ के आकार से नियंत्रित होते हैं।

रसायन विज्ञान 2023 में नोबेल पुरस्कार विजेताओं ने इतने छोटे कण बनाने में सफलता हासिल की है कि उनके गुण क्वांटम घटना से निर्धारित होते हैं। कण, जिन्हें क्वांटम डॉट्स कहा जाता है, अब नैनोटेक्नोलॉजी में बहुत महत्व रखते हैं। रसायन विज्ञान के लिए नोबेल समिति के अध्यक्ष जोहान एक्विस्ट ने कहा कि क्वांटम डॉट्स में कई आकर्षक और असामान्य गुण हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि उनके आकार के आधार पर उनके अलग-अलग रंग होते हैं। वर्ष 1980 के दशक की शुरुआत में एलेक्सी एकिमोव रंगीन कांच में आकार-निर्भर क्वांटम प्रभाव बनाने में सफल रहे।

यह रंग कॉपर क्लोराइड के नैनोकणों से आया और एकिमोव ने प्रदर्शित किया कि कण का आकार क्वांटम प्रभावों के माध्यम से कांच के रंग को प्रभावित करता है। कुछ साल बाद, लुई ब्रूस दुनिया के पहले वैज्ञानिक थे जिन्होंने किसी तरल पदार्थ में स्वतंत्र रूप से तैरते कणों में आकार-निर्भर क्वांटम प्रभाव साबित किया। बवेंडी ने अपनी प्रतिक्रियाओं के लिए ऑनसाइट टेलीफोन साक्षात्कार में कहा, "मैं बहुत आश्चर्यचकित,

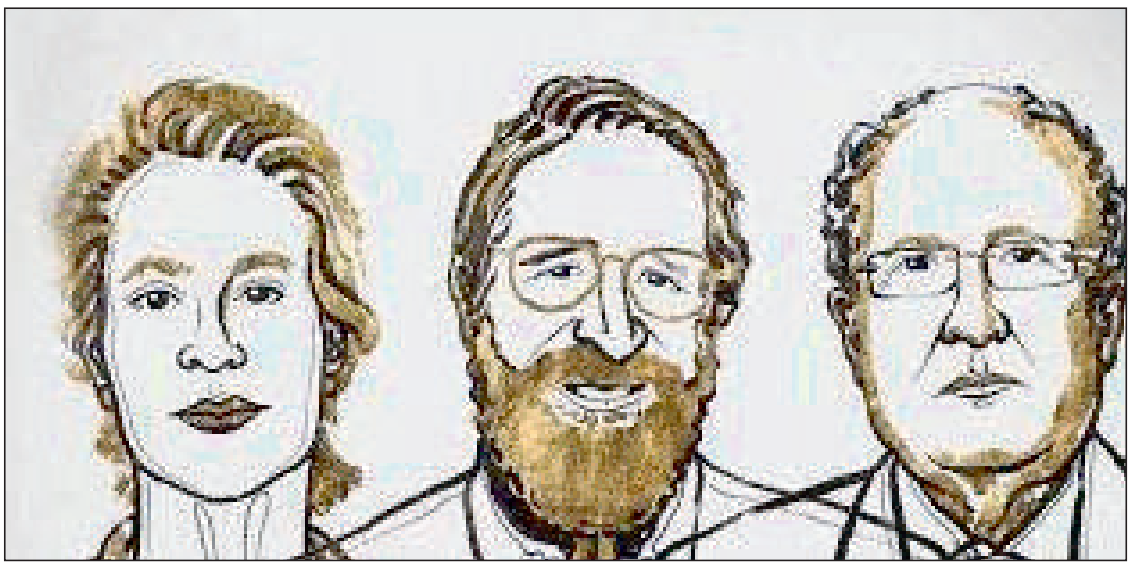

अप्रत्याशित और बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं।"

चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार के साथ ही सोमवार से नोबेल पुरस्कारों की घोषणा की शुरूआत हुई थी। दो अक्टूबर को चिकित्सा और तीन अक्टूबर को भैतिकी के नोबेल का एलान किया गया। चार अक्टूबर को रसायन विज्ञान के अवॉर्ड की घोषणा हुई। अब गुरुवार को साहित्य के क्षेत्र में दिए जाने वाले नोबेल पुरस्कार विजेता के नाम की घोषणा होगी। इसके अलावा नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार और अर्थशास्त्र के क्षेत्र में इस पुरस्कार के विजेता की घोषणा नौ अक्तूबर को की जाएगी। पुरस्कार 1.1 करोड़ स्वीडिश क्रोनर (लगभग 997,700 अमेरिकी डॉलर) है और इसे तीनों पुरस्कार विजेताओं के बीच समान रूप से साझा किया जाएगा। धनराशि अवॉर्ड के संस्थापक और स्वीडिश आविष्कारक अल्फ्रेड नोबेल की छोड़ी हुई वसीयत से आती है। वर्ष 1896 में उनका निधन हो गया था।

क्या आप भी अपनी कार से प्यार करते हैं ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 अक्टूबर , अगर आप भी अपनी कार से प्यार करते हैं और उसके लिए कूल एसेसरीज खरीदने का सोच रहे हैं तो ये आपके पास बढ़िया मौका है. ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेजन की ग्रेट इंडियन सेल में आपको कार एसेसरीज पर धासूं डिस्काउंट मिल रहा है.अगर आप अपनी कार के सफर को आरामदायक और मजेदार बनाना चाहते हैं तो ये सेल आपके काम की है. इस सेल में आप अपनी कार के लिए की कूल एसेसरीज को तगड़े डिस्काउंट पर खरीद सकते हैं. इस सेल में आपको कई ऑप्शन मिल रहे हैं जो पांच हजार रुपये के बजट में आ जाएंगी. इसमें आपको कुछ ऐसी चीजे भी मिल रही है जिनकी आपको जरूरत है लेकिन उनके मंहगे होने के वजह से आप खरीद नहीं पाते थे, लेकिन अब आप इन्हें सस्ते में खरीद सकते हैं.

MICHELIN 12266 Tyre Inflator

वैसे तो ये टायर इन्फ्लेटर की ओरिजनल कीमत 6,995 रुपये है लेकिन आप इसे 43 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 3,995 रुपये में खरीद सकते हैं. इसके अलावा अगर आप एक साथ सारे पैसे नहीं देना चाहते हैं तो प्लेटफॉर्म पर आपको नो कॉस्ट ईएमआई का ऑप्शन भी मिल रहा है.

SHARP Automotive Air Purifier

कई बार में उमस या बदबू हो जाती है जिसके वजह से कार में सफर कर पाना मुश्किल हो जाता है, इससे बचने के लिए आप कार में एयर प्यूरीफायर लगवा सकते हैं. ये आपको ज्यादा महंगा नहीं मिलेगा इसे आप अमेजन से 13,200 रुपये के बजाय 48 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ मात्र 6,879 रुपये में खरीद सकते हैं.

AutoZing 7D Car Floor Mat

अगर आपके पास Hyundai Verna हो तो आप इस कार के फ्लोर के लिए बेहतरीन मैट खरीद सकते हैं. वैसे तो इन मैट्स की ओरिजनल कीमत 18,999 रुपये है लेनिक अमेजन सेल में 79 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ केवल 4,048 रुपये में खरीद सकते हैं.

Smart Key Case Holder

अगर आपके पास कार की स्मार्ट की है तो आप उसमें शानदार केस लगा सकते हैं. इसे आप 42 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 4,103 रुपये में खरीद सकते हैं. ये ध्यान दें की Key केस स्पेशली Volvo XC40 XC60 XC90 S90 V90 कार के लिए ही है. केस को ऑर्डर करने से पहले जरूर चेक लें ताकि आपको बाद में परेशानी ना उठानी पड़े.